नईदुनिया

एफआईएच हाकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित हैं मोहित

नई दिल्ली

कर्नाटक के युवा खिलाड़ी एचएस मोहित को एफआईएच हाकी विश्व कप के लिए दूसरे गोलकीपर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मोहित इससे बेहद उत्साहित है क्योंकि उनका भारतीय टीम से खेलने का सपना पूरा होने जा रहा है। एफआईएच विश्वकप 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इसमें अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा भारतीय टीम के पहले गोलकीपर रहेंगे। सूरज से इस टूर्नामेंट में मोहित को काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

युवा मोहित ने पिछले कुाछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में इस खिलाड़ी ने काफी अच्छी गोलकीपिंग कर कई गोल बचाये थे। मोहित ने जूनियर विश्व कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया इसके बाद उन्हे सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह जगह मिली है।

हाकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में मोहित ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मेरी हमेशा से यही सोच रही है कि भारत के लिए बड़े टूर्नामेंट खेलूं। जूनियर विश्व कप में हम पदक नहीं जीत सके थे और चौथे स्थान पर रहे थे। तभी से मेरा सपना था कि भारत के लिए कुछ बड़ा करूं। मोहित ने भारतीय हाकी के महान गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश से मिली सीख को भी याद किया। उन्होंने कहा, हमने उनसे काफी कुछ सीखा है पर जिस प्रकार का दबाव उनपर रहता था वैसा हमपर नहीं है। उन्होंने भारत के लिए शानदार योगदान दिया है। मैरा भी प्रयास अब अपनी ओर से सौ फीसदी योगदान देना रहेगा।

गौरतलब है कि भारतीय टीम हाल ही में समाप्त हुए एफआईएच प्रो लीग अभियान में नीदरलैंड और जर्मनी जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद नए आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतर रही है। टीम की तैयारियों पर मोहित ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा, नीदरलैंड और जर्मनी को हराने के बाद हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारी तैयारियां सही दिशा में हैं। मोहित के लिए विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उनका लक्ष्य मैदान पर हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना और भारत को फिर से विश्व चैंपियन बनाने में योगदान देना है। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मेरे लिए सबसे बड़ा पैमाना यही है कि जब भी मैं मैदान पर उतरूं, देश के लिए अपना सौ प्रतिशत दूं। मेरे सीनियर करियर में इससे बड़ा अवसर अब तक नहीं मिला है। मैं भारत को एक बार फिर विश्व चैंपियन बनाने की पूरी कोशिश करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानानंद ने जीता ग्रैंड शतरंज टूर सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब

सेंट लुइस। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज 2026 का खिताब एक दौर शेष रहते अपने नाम कर लिया। 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने गुरु को अंतिम से पहले दौर में उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ ड्रा खेलकर खिताब पर कब्जा जमाया। प्रज्ञानानंद ने पूरे पांच दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान बढ़त बनाए रखा। सिंदारोव ने अंत तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन आखिर में वह 1.5 अंकों से पीछे रह गए। खिताब जीतने के बाद प्रज्ञानानंद ने कहा, जब आप स्कोर देखते हैं तो सब कुछ आसान और सहज लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा बिल्कुल नहीं था। यह टूर्नामेंट बेहद कठिन और रोमांचक रहा। मैं जावोखिर को श्रेय देना चाहूंगा, उन्होंने आखिरी तक शानदार संघर्ष किया। इस खिताबी जीत के साथ प्रज्ञानानंद को 50 हजार अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि और 13 जीसीटी अंक मिले। इसके साथ ही वह 2026 ग्रैंड शतरंज टूर सीजन अंकतालिका में अमेरिका के फैबियानो कारुआना के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, उपविजेता रहे सिंदारोव ने कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन प्रैग ने वास्तव में बहुत अच्छा खेल दिखाया। कई बार सिर्फ अच्छा खेलना ही काफी नहीं होता, आपको किस्मत का साथ भी चाहिए होता है। अब ग्रैंड शतरंज टूर का समापन सिंकफील्ड कप के साथ होगा, जिसकी शुरुआत 10 अगस्त से होगी।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टर्नर ने संन्यास लिया

लंदन । इंग्लैंड के युवा तेज गेंदबाज जान टर्नर ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। टर्नर के 25 साल की उम्र में ही संन्यास लेने के कारण सभी हैरान हैं। टर्नर के समय से पहले संन्यास लेने का कारण लगातार चोटिल होना रहा है। वह लगातर स्ट्रेस फ्रेक्चर और चोटों के कारण परेशान रहे हैं। इसी कारण वह अपने करियर में केवल 4 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेल पाये हैं। घरेलू क्रिकेट में टर्नर ने साल 2023 के वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट में केवल 11 मैचों में ही 21 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया था। द हंड्रेड में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साल 2023 में ही उन्हें पहली बार इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था। वहीं लाल गेंद के प्रारूप में उन्हें अधिक सफलता नहीं मिलीहा। हैम्पशायर की काउंटी चैम्पियनशिप टीम में वह जगह नहीं बना पाये और अपने पूरे करियर में केवल 7 प्रथम श्रेणी मैच ही खेलने का अवसर उन्हें मिला। साल 2025 की शुरुआत में उन्होंने लेनकाशायर के लिए तीन मैच खेले पर चोटिल होने के कारण वह फिर बाहर हो गये। इसके बाद जून 2025 में उन्होंने अपना अंतिम मैच खेला था और तब से ही पीठ में खिंचाव के कारण वह टीम से बाहर हैं। टर्नर ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि पेशेवर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना उनका बचपन का सपना रहा था, जिसे हैम्पशायर और इंग्लैंड के लिए खेलकर उन्होंने पूरा किया। टर्नर ने खेल को अलविदा कहने के इस फैसले को अपने जीवन का सबसे कठिन फैसल बताया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम में हुअ बदलाव, तीन टी20 मैच भी जोड़े गये

जोहांसबर्ग। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाएगी। दौरे के कार्यक्रम में कुछ बदलाव हुए हैं। इसी को लेकर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने नया कार्यक्रम जारी किया है। इस दौरे में तीन टी20 मैच भी जोड़े गये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो इस दौरे में दोनो टीमों के बीच एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। तीन टी20 मैचों को शामिल करने का फैसला अगले साल होने वाली पहली आईसीसी महिला चैम्पियंस ट्राफी को ध्यान में रखते हुए किया गया है। दोनों ही टीमों का लक्ष्य चैम्पियंस ट्राफी के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करना रहेगा। भारतीय टीम अफ्रीका दौरे में अपना एकमात्र टेस्ट मैच 9 दिसंबर से गकेबरहा में खेलेगी। इसके बाद 16 दिसंबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। वहीं अंत में टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। ये सीरीज 26 दिसंबर बाक्सिंग डे से शुरु होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा है कि टी20 सीरीज कार्यक्रम में इसलिए शामिल की गयी है।

विश्व जूनियर एथलेटिक्स : मोहम्मद अशफाक ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकार्ड, 400 मीटर फाइनल में पहुंचे, बसंत भी हाई जंप के फाइनल में

यूजीन (ओरेगन)

विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन गुरु को भारत के मोहम्मद अशफाक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष 400 मीटर में नया अंडर-20 राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया और फाइनल में जगह बना ली। वहीं, बसंत ने पुरुष हाई जंप के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं। 19 वर्षीय अशफाक ने हीट-5 में 45.81 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस दौरान उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में आयोजित अंडर-20 फेडरेशन कप में बनाए गए अपने ही 46.05 सेकंड के राष्ट्रीय रिकार्ड को तोड़ दिया।

इसके बाद सेमीफाइनल की तीसरी हीट में अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अमेरिका के क्विंसी विल्सन (45.02 सेकंड) और दक्षिण अफ्रीका के किर्न रोमिन (45.87 सेकंड) उनसे आगे रहे। वहीं, भारत के पियूष राज हीट-6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना सके।

पुरुष हाई जंप में बसंत ने 2.14 मीटर की छलांग लगाकर ग्रुप-ए में पांचवां स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वहीं के. अंब्रीश ग्रुप-बी में 2.05 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ बाहर हो गए। दोनों ग्रुप में कोई भी खिलाड़ी 2.21 मीटर के स्वत: क्वालीफिकेशन मानक को पार नहीं कर सका।

महिला डिस्कस थ्रो फाइनल में अमनत कंबोज ने 53.24 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चीन की सू यिक्सिन ने 61.06 मीटर के अंडर-20 विश्व लीड थ्रो के साथ जीता।

महिला शाट पुट में अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 15.24 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और ग्रुप-ए में नौवें तथा कुल 14वें स्थान पर रहीं। वह फाइनल के लिए निर्धारित कटआफ से 21 सेंटीमीटर पीछे रह गईं।

महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में तनु चौधरी ने 1:00.03 मिनट का समय निकालकर अपनी हीट में पांचवां स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वहीं, पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ में अमित कुमार 54.01 सेकंड के समय के साथ अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रहे।

पुरुष ट्रिपल जंप क्वालीफिकेशन में धनुष राज (14.71 मीटर) और पी. रायशन (15.20 मीटर) भी फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके।

पिछले 10 माह मेरे लिए बेहद कठिन रहे : नीरज

नई दिल्ली। हाल में राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतने वाले शीर्ष भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का कहना है कि पिछले कुछ समय में उन्हें फिटनेस से जुड़े मामलों को लेकर काफी मुश्किलों से जूझना पड़ा है। नीरज के अनुसार बीते 10 माह मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और इस दौरान मुझे ऐसा समय भी देखना पड़ा जैसा पहले कभी नहीं देखा था और न ही उसकी कल्पना की थी। ऐसे में राष्ट्रमण्डल में जीता पदक वापसी की ओर बढ़ते कदम हैं। नीरज के अनुसार वह जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे। उनके फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया कठिन थी। चोटों के कारण उनका सत्र देर से शुरू हुआ, जिससे उन्हें कई प्रतियोगिताओं से दूर रहना पड़ा। हालांकि, वह बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही लय हासिल करने में सफल रहे।। सोशल मीडिया में राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का एक वीडियो साझा करते हुए नीरज ने अपने अनुभवों को बताय। उन्होंने लिखा, कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पल पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने आगे कहा, कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना काफी मुश्किल था। मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था जिसके लिए हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं।पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी, और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था। इन मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी वापसी को सफल बनाया। अपनी वापसी में मदद करने वाले सहयोगी दल और परिवार के प्रति नीरज ने गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस स्तर पर दोबारा प्रतिस्पर्धा करना अच्छा लग रहा है। यह सब कुछ अकेले संभव नहीं था। मैं उन लोगों का दिल से आभारी हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा विश्वास बनाए रखा। उन्होंने विशेष रूप से अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी को धन्यवाद दिया। अब उनका लक्ष्य आगामी डायमंड लीग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा।

कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हारीं तन्वी शर्मा

असान (दक्षिण कोरिया)

भारत की 17 वर्षीय स्टार शटलर तन्वी शर्मा का कोरिया मास्टर्स 2026 में शानदार अभियान क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें आल-इंडियन मुकाबले में रक्षिता रामराज ने 18-21, 21-19, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने वाली तन्वी ने पहला गेम अपने नाम कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, रक्षिता ने दमदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम जीत लिया। इस जीत के साथ रक्षिता ने तन्वी के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकार्ड 4-0 कर लिया।

हार के बावजूद तन्वी ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में कई उच्च रैंकिंग खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जिससे इस महीने होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका आत्मविश्वास और मजबूत हुआ।

इससे पहले प्री-क्वार्टरफाइनल में तन्वी ने आल-इंडियन मुकाबले मेंश श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया था।

अब सेमीफाइनल में रक्षिता का सामना भारत की अश्मिता चालिहा से होगा। अश्मिता ने शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

पुरुष युगल में भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति राय और कृष्ण प्रसाद गरागा ने दक्षिण कोरिया के किम यंग-ह्युक और शिन ताए-यांग को 21-18, 21-19 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं, महिला युगल में सोनाली सिंह और रितिका ठाकेर को जापान की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी सुमिरे नाकादे और मियू ताकाहाशी ने 21-15, 21-9 से हराया। मिश्रित युगल में छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ईशान भटनागर और श्रुति मिश्रा को दक्षिण कोरिया के शिन ताए-यांग और किम यू जंग के खिलाफ 21-16, 16-21, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा।

हाशिम आमला के तीन पसंदीदा क्रिकेटरों में विराट का नाम नहीं

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हाशिम अमला ने साल 2027 के आईसीसी पुरुष एकदिवसी विश्व कप को लेकर अपने पसंदीदा तीन दिग्गज क्रिकेटरों के नाम साझा किये हैं जिन्हें व विश्वकप में खेलते हुए देखना चाहते हैं। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का नाम शामिल नहीं है। अमला ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों में भारत, दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया का एक-एक खिलाड़ी शामिल किया है पर आमला की इस सूची में विराट का नाम नहीं होने से प्रशंसक हैरान हैं क्योंकि विराट एकदिवसीय के साथ ही विश्व कप इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज है। अमला ने कोहली की जगह आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अपनी पसंदीदा सूची में शामिल किया है, कोहली की तरह ही रोहित का भी एकदिवसीय क्रिकेट और विश्व कप में रिकार्ड बेहद शानदार रहा है। वह एकदिवसीय प्रारूप में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में भी तीसरे स्थान पर हैं।

डीपीएल : आर्यन गौर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने दर्ज की शानदार जीत

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 ने न्यू दिल्ली टाइगर्स को 27 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज आर्यन गौर की विस्फोटक पारी और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की अहम भूमिका रही।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 177 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज आर्यन गौर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर 91 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

आर्यन के 13वें ओवर में ऋतिक शोकीन का शिकार बनने के बाद पुरानी दिल्ली 6 की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते हुए 155 रन पर सात विकेट खो दिए। हालांकि, अंत में दिग्वेश सिंह राठी ने नौ गेंदों पर नाबाद 19 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम का स्कोर 177 रन तक पहुंचाया।

न्यू दिल्ली टाइगर्स की ओर से ऋतिक शोकीन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 18 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्मण ने भी चार ओवर में 29 रन देकर चार विकेट झटके।

178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू दिल्ली टाइगर्स की टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम दबाव में रही और 119 रन तक पहुंचते-पहुंचते पांच विकेट गंवा दिए।

कप्तान हिम्मत सिंह ने 25 गेंदों पर 36 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। निर्धारित 20 ओवर में न्यू दिल्ली टाइगर्स की टीम आठ विकेट पर 150 रन ही बना सकी और मुकाबला 27 रन से हार गई।

पुरानी दिल्ली 6 की ओर से रजनीश दादर ने चार ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। वहीं पंकज जसवाल ने चार ओवर में एक मेडन सहित सिर्फ 22 रन देकर एक विकेट हासिल किया और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

काउंटी क्रिकेट में ससेक्स की ओर से खेलते दिखेंगे तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट

20 अगस्त को वार्विकशायर के खिलाफ मैच से होगी वापसी

लंदन

तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट एक बार फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। उनादकट इस सप्ताह के अंत में काउंटी खेलने के यहां पहुंचेंगे। वह ससेक्स टीम की ओर से खेलते दिखेंगे। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में अभी सीमित ओवरों के मुकाबले चल रहे हैं जिसमें द हंड्रेड और वनडे कप शामिल है।

वह इस बार ससेक्स की ओर से बचे हुए 6 काउंटी चैंपियनशिप मैचों में खेलेंगे, इनकी शुरुआत 20 अगस्त को बर्मिंघम के एजबस्टन में वार्विकशायर के खिलाफ मैच से होगी। उनादकट का ससेक्स के साथ अनुबंध केवल काउंटी चैंपियनशिप के लिए है और उम्मीद है कि जब लाल गेंद प्रतियोगिता फिर से शुरू होगी तो वह टीम में वापस आ जाएंगे। उनादकट ने जून में भी काउंटी चैंपियनशिप के दो मैचों में हिस्सा लिया था। इसके बाद आईपीएल के कारण वह शुरुआती दौर से बाहर हो गये थे। उनादकट ने कहा, अब काउंटी क्रिकेट में वापसी हो रही है। मैं पिछले चार सत्र से ससेक्स की ओर से खेल रहा हूं। उनादकट के अलावा पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने साल 2024 चैंपियनशिप सीजन के दौरान ससेक्स की ओर से खेला था। उनादकट काउंटी में काफी सफल् रहे हैं।

उन्होंने 13 काउंटी मैचों में 17.75 की औसत और 38.2 की स्ट्राइक रेट से 57 विकेट लिए हैं, जिसमें एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। इस सीजन में खेले गए दो मैचों की चार पारियों में उन्होंने आठ विकेट लिए। गौरतलब है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली राबिन्सन की कप्तानी में ससेक्स अभी काउंटी चैंपियनशिप के डिवीज़न वन में पांचवें स्थान पर है। उन्होंने अपने आठ मैचों में से चार जीते हैं, दो हारे हैं और दो मैच ड्रा रहे हैं। सीज़न में उनके अभी छह मैच बाकी हैं।

कर्नाटक के नये कोच बने पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक ने आगामी घरेलू सीजन के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आर विनय कुमार को मुख्य कोच बनाया है। विनय ने लंबे समय तक कर्नाटक की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। ऐसे में उनके लंबे अनुभवों का लाभ भी कर्नाटक टीम को मिलेगा। वह लाल गेंद के प्रारुप में सबसे अच्छे क्रिकेटरों में शामिल रहे हैं। कर्नाटक क्रिकेट संघ की प्रशासनिक कमेटी ने भी विनय कुमार को कोच बनाये जाने के फैसले को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब 13 अगस्त को होने वाली कार्यकारी समिति की बैठक में विनय कुमार के साथ-साथ पुरुष और महिला टीम के सहयोगी कोचिंग स्टाफ के नामों की भी घोषणा होनी है। विनय के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का भी अनुभव है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट में एक विकेट, 31 एकदिवसीय में 38 विकेट और नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट लिए हैं। विनय को आईपीएल का भी अनुभव है। इस तेज गेंदबाज ने साल 2008 के शुरुआती सत्र में ही रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेला है। इसके बाद विनय ने कोच्चि टस्कर्स, केकेआर और मुंबई इंडियंस के लिए भी खेला है। संन्यास के बाद वह मुंबई इंडियंस से जुड़ गये थे। इसमें उनकी भूमिका टीम के लिए प्रतिभाओं की तलाश थी। इसके अलावा वह आईएल टी 20 में एमआई एमिरेट्स के गेंदबाजी कोच भी रहे हैं।